

A team of doctors led by the well-known robotic gastrointestinal surgeon, Dr Arun Prasad, performed a live bariatric surgery through laparoscope on a 100-kg Bemina woman (name withheld). Due to obesity, she was suffering from metabolic syndrome with hypertension.

Dr Prasad, who is a senior consultant surgeon, gastrointestinal sciences, at Manipal Hospital, New Delhi, was in the Valley to educate doctors about the advanced procedures in robotics and laparoscopy.

While the SMHS Hospital performed a bariatric surgery in January, Prasad supervised the day-long workshop where several such surgeries were conducted in the presence of Dr Samia Rashid, principal, Government Medical College, Srinagar, and Dr Showkat Jeelani, head of surgery. “Dr Prasad put a mini-gastric bypass in the patient and this procedure has been done first time in the patient,” said Prof Dr Iqbal Saleem of the SMHS Hospital.

Salim said the hospital would start the bariatric surgeries on a regular basis after getting a feedback from the patient and also training imparted by Dr Prasad during the workshop.

Doctors say the sedentary lifestyle coupled with intake of high-caloric food were the main reasons for the

रोबोट के पॉजिटिव-नेगेटिव हाइप पर जटिल ऑपरेशन आसानी से संभव

एम्स में रोबोटिक सर्जरी कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने शेयर किए अनुभव

सिटी भास्कर | जोधपुर

एम्स में गुरुवार को एम्स जोधपुर और वट्टीकुटी फाउंडेशन की ओर से रोबोटिक सर्जरी 'इक्सपेंडिंग हराइजन' विषय पर दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस शुरू हुई, जिसमें देश-विदेश में हो रहे रोबोटिक सर्जरी के बारे में विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए।

कॉन्फ्रेंस में नई दिल्ली मणिपाल हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट लेप्रोस्कोपी और रोबोटिक बेरियाट्रिक सर्जरी डॉ. अरुण प्रसाद ने बताया कि रोबोट के बारे में पॉजिटिव और नेगेटिव, दोनों प्रकार की हाइप बनी हुई है। पॉजिटिव हाइप यह है देश में रोबोट से सर्जरी होगी, डॉक्टरों की आवश्यकता नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि कोई भी एडवांस गाड़ी खुद नहीं चलती है उसे व्यक्ति ही चलाता है। वहीं नेगेटिव हाइप यह कि देश में जहां पीने के लिए साफ पानी नहीं मिल रहा है, वहां इतने महंगे रोबोट की कोई जरूरत नहीं है। रोबोट महंगा जरूर है, लेकिन इससे कठिन ऑपरेशन आसानी से हो सकते हैं, और ऐसी कई जगह है जहां लेप्रोस्कोपी से पहुंचना मुश्किल होता है। कॉन्फ्रेंस में लंच के बाद सीएमई में आए सभी डेलीगेट्स का



एम्स कॉन्फ्रेंस में डॉ. प्रांजल मोदी और अरुण प्रसाद ने विविध जानकारियां दीं।

एम्स डायरेक्टर डॉ. संजीव मिश्रा ने स्वागत किया।

अहमदाबाद से आए आइकेडीआरसी के हैड यूरोलॉजी एंड ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. प्रांजल मोदी ने आर्गन डोनेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी डॉक्टरों को कहा। उन्होंने बताया कि भागदौड़ भरी जिंदगी में लेट नाइट खाना, अल्कोहल, तंबाकू आदि के सेवन के कारण किडनी फैलियर मरीजों की संख्या बढ़ रही है। मरीजों की तुलना में न तो कैडवर हैं और न ही लाइव डोनर हैं। देश में किडनी के 2 लाख से अधिक मरीज हैं, जिनके लिए केवल 10 प्रतिशत किडनी ही ट्रांसप्लांट के लिए देश में मौजूद है, वह भी लाइव डोनर की हैं। जबकि अब किडनी, लिवर, हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए रोबोट जैसी तकनीक मौजूद है, जिससे बिना बड़े चीरफाड़ के

आसानी से ट्रांसप्लांट किया जा सकता है।

एम्स जोधपुर के अधीक्षक डॉ. अरविंद सिन्हा ने जोधपुर में रोबोट आने के बाद की यात्रा के बारे में बताया कि एम्स जोधपुर में यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, जनरल सर्जरी, गायनी, गेस्ट्रोलॉजी और शिशु सर्जरी विभाग की ओर से 7 माह में 80 रोबोटिक सर्जरी कर चुके हैं। एम्स एनेस्थिसिया के डॉ. मनोज कमल ने सामान्य ऑपरेशन से रोबोटिक सर्जरी में निश्चेतना देना, किस प्रकार भिन्न है और किन बातों के बारे में ध्यान रखना चाहिए ताकि निश्चेतना से होने वाले दुष्प्रभाव को कम कर सकते हैं, के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि रोबोटिक सर्जरी में निश्चेतना की दवा देना मुश्किल होता है क्योंकि इसमें समय ज्यादा लगता है।

गलत खानपान व व्यायाम की कमी से बढ़ रहे मधुमेह के मरीज

विश्व मधुमेह दिवस

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : गलत खानपान व व्यायाम की कमी के चलते आज भारत में विश्व के सबसे अधिक मधुमेह मरीज हैं। यदि समय रहते ध्यान न दिया गया तो भविष्य में मधुमेह मरीजों की संख्या में इजाफा होना संभव है। द्वारका स्थित मनीपाल अस्पताल में शल्य चिकित्सक डॉ. अरूण प्रसाद ने बताया कि पहले 20 साल के करीब 20 फीसद बच्चे ही मोटापे के शिकार होते थे, लेकिन अब इनकी संख्या 40 फीसद हो गई है। यह आंकड़ा केवल दिल्ली का है। पहले मधुमेह 40 साल के बाद ही लोगों में देखने को मिलता था, पर अब बच्चों व युवाओं में भी मधुमेह की शिकायत आने लगी है। मधुमेह का एक सबसे बड़ा कारण है मोटापा। आज सरकारी व निजी दोनों ही अस्पताल में मेटाबोलिक सर्जरी के माध्यम से मोटे लोगों में मधुमेह रोग को खत्म किया जा सकता है। हालांकि, इसमें काफी खर्च आता है। लेकिन, आज सरकार की ओर से कई योजनाएं हैं जिनका मरीज लाभ ले सकते हैं।

डॉ. अरूण प्रसाद ने बताया कि लोगों को समय-समय पर मधुमेह की जांच कराते रहना चाहिए। अक्सर लोग जागरूकता के अभाव के चलते या काम में व्यस्तता के कारण मधुमेह के लक्षणों

मधुमेह के प्रमुख लक्षण

- ज्यादा प्यास लगना
- बार-बार पेशाब आना
- आंखों की रोशनी कम होना
- कोई भी चोट या जखम देरी से भरना
- हाथों, पैरों और गुप्तांगों पर खुजली वाले जखम
- बार-बार फोड़े-फुंसियां निकलना
- चक्कर आना
- चिड़चिड़ापन

बरतें सावधानी

- अपनी जीवनशैली में बदलाव करें और शारीरिक श्रम करना शुरू करें।
- कम कैलोरी वाला भोजन खाएं।
- भोजन में मीठे को बिल्कुल खत्म कर दें।
- सब्जियां, ताजे फल, साबुत अनाज, डेयरी उत्पादों और ओमेगा-3 वसा के स्रोतों को अपने भोजन में शामिल करें।
- दिन में तीन समय खाने की बजाय उतने ही खाने को छह या सात बार



में खाएं।

- धूमपान और शराब को छोड़ दें।
- तनाव न लें।
- नियमित रूप से स्वास्थ्य की जांच कराते रहें और शुगर लेवल को रोजाना मॉनीटर करें।
- चिकित्सक के परामर्श पर ही दवा लें।
- मेथी दाना को रात में भिगोकर सुबह खाली पेट खाएं।
- खाने में बादाम, लहसुन, प्याज, अंकुरित दालें, अंकुरित छिलके वाला चना, सत्तू और बाजरा आदि शामिल करें तथा आलू, चावल और मक्खन का बहुत कम उपयोग करें।

की तरफ ध्यान नहीं देते हैं। इसके कारण मधुमेह धीरे-धीरे शरीर के सभी अंगों को प्रभावित करने लगता है। मधुमेह को

साईलेट किलर भी कहा जाता है। नियमित योग व व्यायाम से मधुमेह के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

घाट प
तिवार
लिया

जागरण
पूजा पर
पूर्वी दि
ने सोनि
व्रतियों
मोटर व
तक घ
अर्घ्य
किया।
शिवि
किया
भक्ति
संचा
त्रिवे

के वि
नक्ष
लो
है।
उत्
मा
ज
पू
मे
व

विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर दिल्ली के मरीजों में